जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाईटलर) : (क) जी हां। इस समय उत्तरी भारत में पर्यटक रूचि के स्थानों के लिए निम्नलिखित सेवाओं का प्रचालन कर रहा है :--

(1) दिल्ली-देहरादून-दिल्ली

(2) दिल्ली-चण्डीगढ़-कुल्लू और वापस

(3) दिल्ली-शिमला-कुल्लू और वापस

(4) दिल्ली-चण्डीगढ़-धर्मशाला और वापस

(5) दिल्ली-कुल्लू-दिल्ली

(6) दिल्ली-शिमला-दिल्ली

इनके अतिरिक्त निजी आपरेटर अर्थात् मैसर्स जगसन एयरलाइन्स, ट्रांस भारत एविएशन इंडिया इन्टरनेशनल एयरवेज और सिटी लिंक एयरवेज द्वारा खजुराहो और शिमला के लिए भी हवाई टैक्सी सेवाओं का प्रचालन किया जाता है।

(ख) से (घ) लेह सैक्टर को लिए और वहां से इंडियन एयरलाइन्स के अंतर्देशीय हवाई किराये उत्तर पूर्व को छोड़कर इतनी ही दूरी के अन्य सैक्टरों पर लागू किरायों की तुलना में लगभग 15 प्रतिशत कम रखे गये हैं। यह किराया सभी भारतीय नागरिकों पर लागू होता है।

(ङ) जी, नहीं।

(च) प्रश्न नहीं उठता।

देश में आयोजित मेलों एवं उत्सवों में आने वाले पर्यटक

77. **श्री महेश्वर सिंह** : क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में आयोजित ऐसे मेले एवं उत्सव कौन-कौन से हैं जिनमें प्रतिवर्ष देश एवं विदेशों से सर्वाधिक पर्यटक आते हैं;

(ख) क्या भारतीय पर्यटन विकास निगम भी पर्यटन की दृष्टि से प्रसिद्ध इस प्रकार के मेलों और उत्सवों को बढ़ावा देने के लिए कोई आर्थिक सहायता प्रदान करता है;

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है और गत वर्ष किन-किन मेलों/उत्सवों के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की गई और प्रत्येक मेले/उत्सव को उपलब्ध कराई गई राशि का ब्यौरा क्या है; और

(घ) वर्ष 1993-94 के दौरान किन-किन स्थानों के लिए ऐसी सहायता उपलब्ध कराए जाने की योजना है ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) देश में बड़ी संख्या में आयोजित किए जाने वाले मेलों और उत्सवों को स्वदेशी और विदेशी पर्यटक देखने आते हैं। तथापि, इनमें आने के लिए कोई विशेष प्रवेश द्वार नहीं होता है, इसलिए यह बता पाना संभव नहीं है कि कौन-कौन से उत्सव संख्या की दृष्टि से अधिक पर्यटकों को आकृष्ट करते हैं।

(ख) पर्यटन विभाग (न कि भारत पर्यटन विकास निगम) 65 अभिनिर्धारित मेलों और उत्सवों को वित्तीय सहायता मुहैया कराता है।

(ग) सूचना संलग्न विवरण-1 में दी गई है **(नीचे देखिए)**

(घ) अभिनिर्धारित मेलों और उत्सवों की सूची विवरण-2 में दी गई है **(नीचे देखिए)**। वित्तीय सहायता राज्य सरकारों से प्राप्त विशिष्ट प्रस्तावों पर उनके गुण-दोषों, पारस्परिक प्राथमिकताओं और धन की उपलब्धता को ध्यान में रख कर जारी की जाती है।

विवरण—1

वर्ष 1992-93 के दौरान आयोजित किए जाने वाले मेलों/उत्सवों के लिए राज्य सरकारों को दी गई वित्तीय सहायता

(रु० लाखों में)

क्रम सं०	उत्सव	राज्य	स्वीकृत राशि
1.	छोटा नागपुर आदिवासी मेला	बिहार	2.60
2.	अंतर्राष्ट्रीय समुद्री भोजन उत्सव	गोआ	4.00
3.	शिमगोआ उत्सव	गोआ	2.00
4.	गोआ कार्निवाल	गोआ	12.00
5.	चपचारकूट उत्सव	मिजोरम	2.15
6.	सूरजकुण्ड शिल्प मेला	हरियाणा	15.00
7.	कुरुक्षेत्र उत्सव	हरियाणा	4.00
8.	शिवरात्रि	हिमाचल प्रदेश	3.60
9.	शिमला ग्रीष्म उत्सव	हिमाचल प्रदेश	5.00
10.	कांगड़ा घाटी	हिमाचल प्रदेश	5.40
11.	हेंगिस उत्सव	लद्दाख	6.22
12.	विजय नगर हम्पी उत्सव	कर्नाटक	5.00
13.	कुर्ग उत्सव	कर्नाटक	5.35
14.	मालवा उत्सव	मध्य प्रदेश	8.00
15.	एलिफेंटा उत्सव	महाराष्ट्र	5.00
16.	गणेश उत्सव	महाराष्ट्र	3.41
17.	कूट उत्सव	मणिपुर	7.00
18.	कोणार्क उत्सव	उड़ीसा	7.00
19.	बाली यात्रा	उड़ीसा	12.00
20.	झालावाड़ उत्सव	राजस्थान	5.18
21.	शिल्प ग्राम उत्सव	राजस्थान	1.00
22.	ऊटी ग्रीष्म उत्सव	तमिलनाडु	3.98
23.	शिवरात्रि नाट्यांजलि	तमिलनाडु	3.68
24.	चित्राय उत्सव	तलिमनाडु	2.67
25.	महाबलीपुरम नृत्य उत्सव	तमिलनाडु	3.13
26.	चाय और पर्यटन उत्सव	तमिलनाडु	6.10
27.	ताज महोत्सव	उत्तर प्रदेश	5.26
28.	अवध उत्सव	उत्तर प्रदेश	1.00
29.	डायमण्ड हार्बर	पश्चिम बंगाल	5.00
30.	गुलाब उत्सव	चण्डीगढ़	2.75
31.	अंतर्राष्ट्रीय आम्र उत्सव	दिल्ली	3.15
32.	अंतर्राष्ट्रीय सिटरस उत्सव	दिल्ली	2.00
33.	उद्यान उत्सव	दिल्ली	3.00
	जोड़		162.73

विवरण—2

अभिनिर्धारित मेले और उत्सव

आन्ध्र प्रदेश

— अंतर्राष्ट्रीय मोती और चूड़ी मेला
— हैदराबाद शहर का 400वां वार्षिक-कोत्सव-दक्कन उत्सव

बिहार

— सोनपुर मेला
— पाटलीपुत्र महोत्सव, पटना
— राजगीर नृत्य एवं भोजन उत्सव
— छोटा नागपुर आदिवासी मेला

गोआ

— अंतर्राष्ट्रीय समुद्रीय भोजन उत्सव
— शिमगोआ
— कार्निवाल

गुजरात

— अंतर्राष्ट्रीय पतंग उत्सव
— सोमनाथ उत्सव (कच्छ की रन)
— तारनेत्रा उत्सव

हरियाणा

— कुरूक्षेत्र उत्सव
— सूरजकुण्ड शिल्प मेला

हिमाचल प्रदेश

— शिमला ग्रीष्म उत्सव
— कुल्लू-दशहरा उत्सव
— कांगड़ा घाटी/चाय उत्सव

जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख

— लद्दाख और दिल्ली दोनों में हेंगिस उत्सव

कर्नाटक

— विजयनगर-हम्पी उत्सव
— होयसाला महोत्सव (बेलूर-हेलिविड में)
— नवरासपुर-पट्टादकल
— कुर्ग उत्सव

केरल

— विशाल हाथी दौड़
— निशागंधी नृत्य उत्सव
— ओनम उत्सव
— नौका दौड़ (कोचीन-अल्लेपी)

मध्य प्रदेश

— भोजपुर
— मालवा (इंदौर, उज्जैन-माण्डू)
— पंचमढ़ी
— ओरछा-शिवपुरी-ग्वालियर

महाराष्ट्र

— एलिफैंटा उत्सव
— गणेश/पुणे उत्सव
— औरंगाबाद उत्सव

मिजोरम

— चपचारकुट उत्सव

मणिपुर

— कुट उत्सव

मेघालय

— नौंगरेम नृत्य उत्सव

नागालैंड

— पतझड़ उत्सव

उड़ीसा

— राजरानी उत्सव, भुवनेश्वर
— कोणार्क नृत्य उत्सव
— बाली यात्रा

राजस्थान

— मारवाड़ उत्सव, जोधपुर
— मरू उत्सव, जैसलमेर
— नागौर उत्सव
— झालावाड़ उत्सव
— इसके अतिरिक्त शिल्प ग्राम मेले को भी सहायता दी जाएगी।

तमिलनाडु

— ऊंटी ग्रीष्म उत्सव

— चिदाम्बरम् में शिवरात्रि नाट्यांजली

— चित्तराय उत्सव, मदुरै

— महाबलीपुरम डांस उत्सव

— चाय और पर्यटन उत्सव, कुनूर

उत्तर प्रदेश

— ताज महोत्सव, आगरा

— अकबर उत्सव, फतेहपुर सीकरी

— अवध उत्सव, लखनऊ

— योग उत्सव, ऋषिकेश

पश्चिम बंगाल

— विष्णुपुर उत्सव

— कलकत्ता शान्ति निकेतन उत्सव

— दार्जिलिंग चाय उत्सव

अण्डमान और निकोबार

— द्वीप महोत्सव

चण्डीगढ़

— गुलाब उत्सव

— तीज उत्सव

पांडिचेरी

— फीट डी पांडिचेरी

दिल्ली

— अंतर्राष्ट्रीय शाम मेला

— अंतर्राष्ट्रीय सिटरस उत्सव

— अंतर्राष्ट्रीय पतंग उत्सव

— उद्यान उत्सव

उत्तर भारत में पर्यटन के महत्व वाले तीर्थ-स्थल

78. श्री महेश्वर सिंह : क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर भारत में उन तीर्थ-स्थलों के नाम क्या-क्या हैं जो पर्यटन की दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं; और

(ख) भारतीय पर्यटन विकास निगम ने उपरोक्त तीर्थ-स्थलों के विकास के लिए कौन-कौन सी योजनाएं स्वीकृत की हैं ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) पर्यटन के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना के अनुसरण में गठित तीर्थ-पर्यटन समिति ने उत्तरी भारत में विकास हेतु निम्नलिखित तीर्थ केन्द्र/परिपथ अभिनिर्धारित किए हैं :—

1.	हिमाचल प्रदेश	(1) पौंटा साहिब
		(2) ज्वाला जी
2.	जम्मू और कश्मीर	(1) माता वैष्णों देवी
3.	राजस्थान	(1) अजमेर शरीफ
4.	उत्तर प्रदेश	(1) बद्रीनाथ, केदारनाथ गंगोत्री, यमुनोत्री
		(2) बरसाना, नंदगांव, गोकुल, मथुरा, वृन्दावन गोवर्धन।